दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 18 दिसंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 81

महत्वपूर्ण एवं खास

यौन उत्पीड़न के आरोप में प्रधानाध्यापक निलंबित, लड़कियों ने आरोपी को झाड़ू और डंडों से पीटा

मांडया (आरएनएस)। कर्नाटक शिक्षा विभाग ने यौन उत्पीडऩ के आरोप में एक प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, लड़कियों ने प्रधानाध्यापकको झाड़ू और डंडों से भी पीटा है। कर्नाटक लोक शिक्षण विभाग के आयुक्त डॉ आर विशाल ने इस संबंध में निलंबन आदेश जारी किया है। पुलिस विभाग ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना बुधवार रात मांडया जिले के पांडवपुरा तालुक के कटेरी गांव के एक गर्ल्स हॉस्टल में हुई। आरोपी, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक को हॉस्टल का प्रभार दिया गया था। वह रोज शाम को हॉस्टल जाता था और लड़कियों को अपने कमरे में बुलाता था। छात्राओं का आरोप है कि आरोपी प्रधानाध्यापक उन्हें अश्लील वीडियो दिखाते थे और उन्हें गलत तरीके से छूते थे। छात्राओं ने दावा किया कि वह इस तरह की हरत कई वर्षों से कर रहे थे। बुधवार की शाम आरोपी ने एक छात्रा को हॉस्टल में अपने कमरे में बुलाया और उसका यौन उत्पीडऩ करने की कोशिश की। जब लडक़ी मदद के लिए चिल्लाई तो सभी लड़कियां एक साथ आ गईं और झाड़ू और डंडों से उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने पूरे हॉस्टल में उसका पीछा किया और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस को सूचित किया। ग्रामीण भी हॉस्टल के पास जमा हो गए और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। केआरएस थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया।

12वीं की स्टूडेंट बनी मां, गर्ल्स हॉस्टल में दिया बच्चे को जन्म

चिक्कमगलुरु (आरएनएस)। सरकार द्वारा संचालित गर्ल्स हॉस्टल में 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने बच्चे को जन्म दिया है। कई संगठनों ने हॉस्टल वार्डन और जिला समाज कल्याण अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अन्य संगठनों का आरोप है कि यह घटना एक छात्रावास में हुई है, जहां लगभग 200 छात्राएं रहती हैं। सूत्रों के मुताबिक समाज कल्याण अधिकारी ने दावा किया कि युवती ने अपने पेट पर कपड़े लपेट रखा था, इसलिए गर्भावस्था की पहचान नहीं पाई। पुलिस ने इस संबंध में पॉक्सो का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरकार द्वारा संचालित छात्रावासों में लड़कियों की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए कार्यकर्ताओं ने पूछा कि इन परिस्थितियों में माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी छात्रावासों में कैसे भेज सकते हैं। उन्होंने कहा, हर तीन महीने में एक बार लड़कियों के स्वास्थ्य की स्थिति की जांच की जानी चाहिए। यदि अधिकारियों ने इस नियम का पालन किया होता तो यह घटना बहुत पहले ही सामने आ जाती। इसके बजाय अधिकारियों ने छात्रावास में प्रसव की सुविधा दी। संगठनों ने समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास वार्डन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने दोनों को बर्खास्त करने की मांग की।

ट्रेन में ढाई साल की बेटी के लिए पेरेंट्स ने मंगाया आमलेट, निकला कॉकरोच

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी एक्सप्रेस रेलवे की सबसे भरोसेमंद मानी जाने वाली ट्रेन है, लेकिन इस ट्रेन के भी कैटरिंग डिपार्टमेंट की गलती ने रेलवे को फिर से सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। मामले के मुताबिक दिल्ली से मुंबई जा रही राजधानी एक्सप्रेस में एक ढाई साल की बच्ची के लिए उसके परिजनों ने एक आमलेट मंगवाया था। उस आमलेट में एक कॉकरोच निकला। जिसकी फोटो लेकर परिजनों ने उसे रेलवे मंत्रालय समेत प्रधानमंत्री कार्यालय को भी टैग करते हुए ट्वीट कर दिया। जिस पर रेलवे सेवा ने यात्री से उसका पीएनआर नंबर और उसका मोबाइल नंबर सीधे मैसेज करने को कहा और यह भी लिखा कि असुविधा के लिए खेद है। योगेश मोरे नाम के एक व्यक्ति ने अपने ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट प्रधानमंत्री कार्यालय और रेलवे को ट्वीट करते हुए कुछ फोटो शेयर की है, जिसमें उसने लिखा है कि 16 दिसंबर 2022, मैं दिल्ली से ट्रेन नंबर 22222 से यात्रा कर रहा था। सुबह में हमने अपनी ढाई साल की बच्ची के लिए एक एक्स्ट्रा ऑमलेट आर्डर किया और जब ऑमलेट आया तो उसमें एक कॉकरोच मरा हुआ पड़ा था, जिसकी कंप्लेन हमने ट्रेन में भी की। उसने यह भी लिखा है कि अगर उसकी ढाई साल की बेटी को कुछ हो जाता तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होता।

मंगलुरु ब्लास्ट ने टेरर फंडिंग में ड्रग कार्टेल की भूमिका का किया पर्दाफाश

बेंगलुरू ,17 दिसंबर(आरएनएस)। पुलिस विभाग और विशेष विंग द्वारा कड़ी निगरानी के बावजूद ड्रग कार्टेल कर्नाटक में फलता-फूलता व्यापार चला रहे हैं। ड्रग पेडलर्स ने आईटी क्राउड, छात्रों, कमजोर युवाओं और राज्य में अमीर वर्ग को निशाना बनाया है, खासकर बेंगलुरु में।

परेशान करने वाली बात यह है कि मंगलुरु विस्फोट के सिलसिले में संदिग्ध आतंकवादी मोहम्मद शरीक की गिरफ्तारी के साथ अब नशीली दवाओं की तस्करी की जड़ें आतंकवाद से जुड़ी हुई हैं, जिसे कर्नाटक के डीजीपी प्रवीण सूद ने आतंकी कृत्य करार दिया था।

सूत्रों ने कहा कि मंगलुरु विस्फोट की जांच से पता चला है कि दक्षिणी भारत में आतंकवादी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए पर्दे के पीछे के संचालक ड्रग पेडलिंग रैकेट चलाते थे। मोहम्मद शारिक का कर्नाटक पर फोकस था और उसके सहयोगियों ने पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया था।

सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु में कोयम्बटूर विस्फोट भी इसी समूह से जुड़ा है। कर्नाटक में आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले बेंगलुरु के पूर्व पुलिस आयुक्त भास्कर राव ने आईटी राजधानी में नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ खुली लड़ाई की घोषणा की थी। भास्कर राव पहले पुलिस कमिश्नर थे, जिन्होंने खुले तौर पर स्वीकार किया कि नशाखोरी सचमुच युवाओं को बर्बाद कर रही है। उनके कार्यकाल के दौरान बेंगलुरु के स्टार होटलों और रिसॉर्ट्स पर सिलसिलेवार छापे मारे गए थे।

कर्नाटक से भाजपा के राज्यसभा सांसद लेहर सिंह ने भी कई मौकों पर बेंगलुरू शहर में नशीली दवाओं की तस्करी का मुद्दा उठाया, जिसे बिना किसी डर के अंजाम दिया जाता है। सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी ने राज्यसभा में कहा कि बेंगलुरु, कोलार, मैसूरु, कोडागु, उडुपी और रामनगर देश के उन 272 जिलों में शामिल हैं, जिन्हें ड्रग्स के अत्यधिक उपयोग के लिए सबसे संवेदनशील माना

गया है।

उन्होंने कहा कि इन जिलों में नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के तहत स्वयंसेवक नशा करने वालों की पहचान करते हैं और उन्हें सलाह देते हैं और उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करते हैं। कर्नाटक में 34 एनजीओ नशा मुक्ति पर काम कर रहे हैं। कर्नाटक पुलिस ने जुलाई 2022 में 21 टन नशीला पदार्थ जब्त कर नष्ट किया था। मादक और मादक पदार्थों की कीमत 25.6 करोड़ रुपये थी। नशीले पदार्थों में गांजा, अफीम, हेरोइन, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स जैसे एमडीएमए, एलएसडी और अन्य शामिल थे। 54 फीसदी से ज्यादा ड्रग्स बेंगलुरु शहर में जब्त किए गए। 2022 में, कर्नाटक पुलिस ने 50.23 करोड़ रुपये की 24 टन ड्रग्स नष्ट की। पुलिस महानिदेशक प्रवीण सूद के अनुसार, पिछले एक साल में 8,505 एनडीपीएस अधिनियम के मामले दर्ज किए गए और 7,846 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 185 विदेशी नागरिक हैं। 2020 में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 5,291 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी अब केवल पैसे कमाने के लिए नहीं की जाती है। नशीले पदार्थों के सौदागरों का पैसा उन ताकतों तक पहुंच रहा है जो विध्वंसक गतिविधियों में लिप्त हैं। मंगलुरु विस्फोटों की जांच कर रहे राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी भी इस कोण से जांच कर रहे हैं।

संदिग्ध आतंकी को अस्पताल में कराया गया भर्ती

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलुरु कुकर विस्फोट मामले के संदिग्ध आतंकवादी मोहम्मद शारिक को शनिवार को मंगलुरु से विक्टोरिया अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। सूत्रों ने इसकी पुष्टि की। घटना की पुष्टि करते हुए, मंगलुरु के पुलिस आयुक्त शशिकुमार ने कहा कि उन्हें आज सुबह एनआईए अधिकारियों की निगरानी में भारी पुलिस सुरक्षा के बीच बेंगलुरु ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक, शारिक पूरी तरह से ठीक हो गया है। वह चलने फिरने और रोजमर्रा के कामकाज खुद करने में सक्षम है। हालांकि, उसे आगे के इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल के बर्न वार्ड में ले जाया गया है। एनआईए अधिकारियों ने मोहम्मद शारिक के ठीक होने के कुछ दिन पहले ही उससे पूछताछ शुरू कर दी थी। जांच से पता चला है कि शारिक को अब्दुल मतीन ताहा से आर्थिक मदद मिल रही थी, जो सीधे आतंकी संगठन आईएस के संपर्क में था। सूत्रों ने कहा कि उसने शारिक और अन्य को आतंकी नेटवर्कर् से भी परिचित कराया था। हैंडलर्स को डार्कनेट और बिटकॉइन के जरिए फंडिंग मिलती थी। आतंकी संदिग्ध सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील मंगलुरु में विस्फोट करने की योजना बना रहा था और चुपचाप मैसूर वापस आ गया और एक हिंदू व्यक्ति की पहचान लेकर साजिश रचता रहा। हालांकि, 19 नवंबर को मंगलुरु के बाहरी इलाके में कुकर बम के विस्फोट के साथ उसकी योजना पर पानी फिर गया। विपक्षी कांग्रेस ने मंगलुरु विस्फोट और मोहम्मद शारिक को आतंकवादी घोषित किए जाने के संबंध में जांच पर सवाल उठाया है।

सीबीआई ने छह लोगों के खिलाफ वीजा धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज किया मामला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने फ्रांस के दूतावास में वीजा धोखाधड़ी के आरोप में दिल्ली में फ्रांस दूतावास के वीजा विभाग में पूर्व में काम करने वाले दो व्यक्तियों सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

केन्द्रीय जांच एजेंसी ने यह जानकारी दी।

सीबीआई के बयान के अनुसार दो आरोपियों ने पहले फ्रांस के दूतावास के वीजा विभाग में काम किया था, उन्होंने अन्य लोगों के साथ साजिश रची और एक जनवरी से 06 मई, 2022 की अवधि के दौरान वीजा धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

उक्त आपराधिक साजिश के अनुसार पंजाब और जम्मू के आवेदकों को प्रवेश वीजा जारी करने के लिए बेंगलुरु स्थित एक निजी कंपनी द्वारा कथित रूप से फ्रांस के महावाणिज्य दूतावास, बेंगलुरु को पोर्ट-ले-हावरे, फ्रांस में निजी कंपनियों में शामिल होने के लिए लिखे गए नकली और जाली पत्र प्रस्तुत किए।

आवेदकों द्वारा संपर्क किए जाने पर दूतावास के वीज़ा विभाग के इन दो अधिकारियों ने वीज़ा विभाग के प्रमुख की जानकारी और अनुमोदन के बिना प्रति वीज़ा 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने के बाद तीन अन्य आरोपियों के पक्ष में प्रवेश वीज़ा जारी किया और बाद में वीज़ा विभाग से इन दस्तावेजों को नष्ट कर दिया।

आरोपियों के दिल्ली, पटियाला, गुरदासपुर और जम्मू सहित छह ठिकानों पर शुक्रवार को तलाशी ली गई। अब तक लैपटॉप, मोबाइल फोन और संदिग्ध पासपोर्ट सहित आपत्तिजनक दस्तावेज एवं वस्तुएं बरामद की गई हैं।

भतीजे की हैवानियत, ताई की हथौड़ा मारकर हत्या; शव के कई टुकड़े कर लगाया ठिकाने

जयपुर (आरएनएस)। जयपुर के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में श्रद्धा हत्याकांड जैसा मामला सामने आया हैं। यहां एक सनकी भतीजे ने अपनी ताई की हत्या कर दी और लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसके कई टुकड़े कर दिए। किचन में टुकड़े किए और मौका देखकर शव के टुकड़े जंगल में फेंकता रहा। आरोपी ने लाश को तो ठिकाने लगा दिया लेकिन जब किचन में खून के दाग धो रहा था तो वहां मृतका की बेटी पहुंच गई। उसने पुलिस को इसकी सूचना दी और पुलिस ने मौके पर पहुंच हत्यारे अनुज को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने जब अनुज से पूछताछ की तो पुलिस भी चौंक गई। अनुज ने पुलिस को बताया कि वह ताई को पसंद करता था, लेकिन ताई का बार बार टोकना उसे जरा भी पसंद नहीं था। इस बारे में कई बार झगड़ा भी हो जाया करता था। अनुज ने पुलिस को बताया कि वह रोज-रोज की चिक-चिक से परेशान था और मौका तलाश रहा था। दस दिसम्बर को विवाद हुआ और उसके बाद ग्यारह दिसम्बर को मौका देखकर उसने अपनी ताई की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उसने शव को ठिकाने लगाने के लिए श्रद्धा हत्याकांड वाला तरीका अपनाया।

पुलिस ने बताया कि श्रद्धा हत्याकांड के बाद हुए इस मर्डर में आरोपी ने वही पैटर्न अपनाया है जो आफताब ने अपनाया था। पुलिस टीम को छानबीन में जंगल से शव के टुकड़े बरामद हुए हैं। जयपुर के विद्याधर नगर थाना क्षेत्र में हुई इस दिल दहलाने वाली वारदात को के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की थी। शुरुआती जांच में पुलिस को मर्डर में किसी सगे संबंधी का हाथ होने की आशंका थी।

पुलिस जानकारी के अनुसार मृतक महिला के भतीजे अनुज ने हत्या के बाद अपनी ताई के शव के 10 टुकड़े कर दिए और उन्हें दिल्ली रोड के जंगलों में फेंक दिया। जानकारी के अनुसार, आरोपी ने पहले ताई के सिर पर हथौडे से वार किया और उसकी हत्या कर दी जिसके बाद चेहरे को भी हथौड़े से खराब कर दिया ताकि कोई पहचान न हो सके। फिर लाश के टुकड़े-टुकड़े करके आरोपी ने दिल्ली रोड जंगलों में अलग-अलग जगह ठिकाने लगा दिया।

सीएम सोरेन ने कोल कंपनियों पर बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ मांगे, अमित शाह की मौजूदगी में उठाया मामला

रांची (आरएनएस)। झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने कोलकाता में शनिवार को पूर्वी क्षेत्रीय अंतरराज्यीय परिषद की बैठक में विभिन्न कोयला कंपनियों पर लैंड कंपनसेशन और रॉयल्टी के मद में झारखंड के बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रुपए का भुगतान कराने की मांग उठाई। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में खनन का काम करने वाली कोयला कंपनियों सेंट्रल कोलफील्ड्स लि.(सीसीएल), भारत कोकिंग कोल लि. (बीसीसीएल) और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (ईसीएल) के पास राज्य सरकार के भूमि मुआवजे का एक लाख करोड़, सामान्य मद में 32 हजार करोड़ और धुले हुए कोयले की रॉयल्टी के एवज में 2900 करोड़ रुपए लंबे वक्त से बकाया हैं। केंद्र सरकार से पहले भी इस बकाया के भुगतान कराने का आग्रह किया गया है।

उन्होंने बंद खदानों का विधिवत माइन्स क्लोजर कराने की भी मांग की ताकि राज्य में अवैध खनन पर रोक लग सके और पर्यावरण की सुरक्षा हो सके।

कोलकाता के राज्य सचिवालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के वन संरक्षण अधिनियम, 2022 के उन प्रावधानों पर जोरदार विरोध दर्ज कराया, जिसके तहत वन भूमि के अधिग्रहण के पूर्व ग्राम सभाओं की अनुमति की अनिवार्यता को समाप्त किया गया है। सोरेन ने कहा कि इस अधिनियम से पूरे देश के करीब 20 करोड़ आदिवासी एवं वनों में पीढ़ियों से निवास करने वाले लोगों के अधिकारों का घोर अतिक्रमण हुआ है। उनके अधिकारों की रक्षा के लिए इसे वनाधिकार अधिनियम 2006 के अनुरूप संशोधित किया जाए।

सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री से अनुरोध किया कि झारखंड जैसे नक्सल प्रभावित राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के एवज में राज्य सरकार की ओर से केंद्र को राशि के भुगतान की व्यवस्था समाप्त की जाए। राज्य में नक्सलवाद की समस्या का समाधान केंद्र और राज्य दोनों सरकारों का दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी कंपनसेशन की अवधि को अगले पांच वर्षों तक विस्तारित किया जाए अन्यथा झारखंड को प्रत्येक वर्ष लगभग पांच हजार करोड़ रुपए का नुकसान होने की आशंका है।

हेमंत सोरेन ने कहा झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग आठ लाख पैंतीस हजार परिवार अब भी वंचित हैं। इन सभी के लिए आवास स्वीकृत करने का निर्देश ग्रामीण विकास मंत्रालय को दिया जाए। उन्होंने साहिबगंज में एयरपोर्ट के निर्माण की मांग उठाते हुए कहा कि यह इसलिए जरूरी है कि यहां मल्टी मॉडल टर्मिनल विकसित किया जा रहा है और भविष्य में यह पूर्वोत्तर राज्यों के लिए गेटवे बनेगा।

रेल सुविधाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि रेलवे को सर्वाधिक आय झारखंड राज्य से प्राप्त होती है परंतु यहां रेलवे का एक भी जोनल मुख्यालय नहीं है। इसके अलावा उन्होंने केन्द्र प्रायोजित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में राशि की वृद्धि और स्वतंत्रता आंदोलन में झारखंड के आदिवासी योद्धाओं की भागीदारी के गौरवशाली इतिहास को देखते हुए सेना में आदिवासी रेजिमेंट के गठन की भी मांग रखी।

घर में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के 6 लोग जिंदा जले- मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल

मंचेरियल (आरएनएस)। बड़ी खबर तेलंगाना से है। यहां के मंचेरियल में एक दर्दनाक घटना की खबर है। यहां मंदामरी मंडल के एक घर में लगी भीषण आग में एक ही परिवार के 6 लोग जिंदा जलकर मर गए। घर के मालिक 50 साल के शिवय्या, उनकी 45 साल की पत्नी पदमा, पद्मा की बड़ी बहन की 23 साल की बेटी मौनिका, उसकी दो बच्चियां और एक अन्य महिला इस भयंकर हादसे का शिकार हुई।

मंदामरी सर्कल के पुलिस निरीक्षक प्रमोद कुमार ने कहा, शिवय्या अपनी पत्नी पद्मा मंदमरी मंडल के साथ वेंकटपुर में अपने घर पर रहते थे। दो दिन पहले पद्मा की भतीजी मौनिका दो बेटियों और शांतैया नाम की एक महिला के साथ आई थी और उसी घर में रह रही थी।

रात 12 से 12.30 बजे के बीच पड़ोसियों ने शिवय्या के घर से आग की लपटें निकलती देखीं, उन्होंने तुरंत ग्रामीणों और फिर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने बताया कि जब तक हम पहुंचे पूरे घर में आग लग चुकी थी और सभी 6 लोग जिंदा जल गए थे। जानकारी के मुताबिक घर में मौजूद कुल 6 सदस्यों की मौत हो चुकी है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

भारत का दूसरों की जमीन पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं, अगर कोई बुरी नजर डालेगा तो हम तैयार : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को गलवान और तवांग की घटनाओं के दौरान बेजोड़ बहादुरी दिखाने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के 95वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत का दूसरे देशों की जमीन पर कब्जा करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर कोई हमारी जमीन पर बुरी नजर डालने की कोशिश करता है तो हम हमेशा तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य एक महाशक्ति बनना है जो दुनिया के कल्याण के लिए काम करे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और 2014 में निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली द्वारा गढ़े गए फ्रैजाइल फाइव से फैबुलस फाइव की श्रेणी में प्रवेश कर गया है। भारत अब दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। हमें 1991 से तीन ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था बनने में 31 वर्ष लगे। मुझे विश्वास है कि अगले तीन ट्रिलियन डॉलर अगले सात वर्षों में जोड़े जाने वाले हैं।

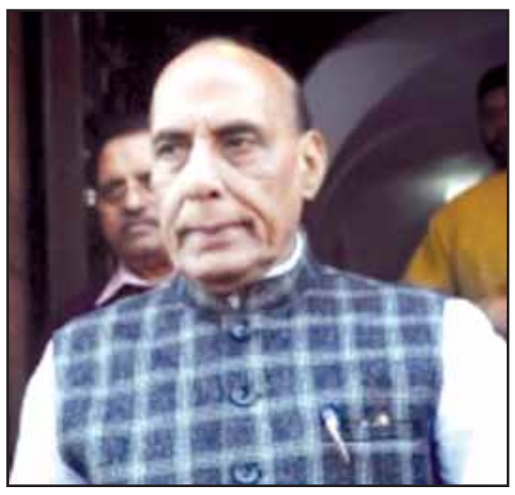

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता और निर्णय लेने की क्षमता के कारण भारत अब विश्व मंच पर एजेंडा तय करने वाला देश बन गया है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है। जी-20 की थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है जिसके माध्यम से विकास का एक समावेशी और निर्णायक रोड मैप तय किया जाएगा। वसुधैव कुटुंबकम और विश्व कल्याण की भावना से प्रेरित होकर, हमारे प्रधान मंत्री ने आर्थिक और मानव विकास के लिए भारत के संकल्प को उन देशों के साथ साझा करने का निर्णय लिया है जो अभी तक कोविड-19 से उबर नहीं पाए हैं।

सिंह ने सरकार द्वारा किए गए प्रक्रियात्मक और संरचनात्मक सुधारों पर प्रकाश डाला, जिसने एक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर न्यू इंडिया की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने के लिए जमीन तैयार की है। उन्होंने डिजिटल वित्तीय बुनियादी ढांचे, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के निर्माण का उल्लेख किया, जो विशेष रूप से गरीबों के लिए वरदान साबित हुआ है।

सिंह ने भारतीय रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए कई सुधारों को बताया, जिसमें एफडीआई मानदंडों को सरल बनाना और स्वचालित मार्ग के तहत 74 प्रतिशत और सरकारी मार्ग के तहत 100 प्रतिशत की सीमा बढ़ाना शामिल है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 2022-23 में पूंजीगत खरीद बजट का 68 प्रतिशत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा- 2025 तक रक्षा उत्पादन को 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 22 बिलियन अमेरिकी डॉलर करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यह रक्षा क्षेत्र के लिए एक स्वर्णिम काल है क्योंकि इसने लड़ाकू विमान, विमान वाहक, मुख्य युद्धक टैंक और हमलावर हेलीकाप्टरों का निर्माण करके अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। भ्भारतीय रक्षा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और अपनी वैश्विक उपस्थिति महसूस कर रहा है। यह न केवल बड़े कॉर्पोरेट्स, बल्कि स्टार्ट-अप्स और एमएसएमई को भी आकर्षित कर रहा है।